卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी卐卐जय बाबा की卐卐श्याम बाबा卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐
उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः। आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्।
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम्। वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये।
केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 85 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦बुधवार ♦31 दिसम्बर 2025 ♦मूल्य दो रूपया

सुरंग में दो लोको ट्रेनें टकराई, 86 घायल

सुरंग में काम के दौरान हादसा, मजिस्ट्रियल जांच का आदेश

चमोली। जिले की निर्माणाधीन विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना में दो लोको ट्रेनें आपस में टकरा गईं, जिससे 86 लोग घायल हो गए। आपदा प्रबंधन और पुनर्वास विभाग के सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि घायलों में से 68 लोगों को चमोली जिला अस्पताल और 18 को पिपलकोटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चार लोगों को मामूली फ्रैक्चर हुआ, जबकि बाकी को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। सभी घायलों की स्थिति खतरे से बाहर है। चमोली के जिलाधिकारी ने घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। आपदा प्रबंधन विभाग ने भी नोटिस जारी कर, भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जलविद्युत परियोजना की 13 किलोमीटर लंबी सुरंग में 100 से अधिक अधिकारी, कर्मचारी और मजदूर काम कर रहे थे। हादसा रात करीब साढ़े नौ बजे हुआ। सुरंग में काम तेज गति से चल रहा था और टनल बोरिंग मशीन के जरिए खुदाई की जा रही थी। इसी दौरान दो लोको ट्रेनें आपस में टकरा गईं, जिससे 86 लोग घायल हुए। हादसे के कारण सुरंग में निर्माण कार्य रोक दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी गौरव कुमार और पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार जिला अस्पताल गोपेश्वर पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। चिकित्सकों को बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। विष्णुगाड परियोजना पहले भी हादसों की छाया में रही है। फरवरी 2021 में ग्लेशियर फटने से परियोजना साइट पर कई मजदूर लापता हो गए थे और कुछ की मृत्यु हो गई थी। उस घटना में परियोजना की सुरंग में मलबा और पानी भर गया था।

जिम में महिला से छेड़छाड़ पर बवाल

देहरादून।देवभूमि में लव जेहाद ,लैंड जेहाद,नकल जेहाद के बाद अब जिम जेहाद के मामले भी सामने आने लगे हैं।ताजा मामला देहरादून के क्लेमेंटाउन थाना क्षेत्र का है जहां जिम ट्रेनर नदीम अंसारी पर एक हिन्दू महिला ने छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया है। सूचना मिलने पर बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने पीड़ित महिला के साथ जिम में जाकर ट्रेनर को जमकर सबक सिखाया।जानकारी के मुताबिक थाना क्लेमेंटाउन स्थित फिट एंड फाइन जिम में जिम जेहाद को लेकर जमकर बवाल हुआ। पुलिस ने आरोपी जिम ट्रेनर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।मारपीट की वीडियो सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हो रही है इसमें एक हिंदू महिला आरोप लगा रही है कि जिम ट्रेनर नदीम अंसारी ने उसे अश्लील मैसेज भेजने के साथ ही अश्लील टिप्पणी भी की है। यह घटना सोशल मीडिया पर वायरल भी हुई, जिसमें महिला अपने आरोप व्यक्त करती नजर आ रही हैं। वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि महिला अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा रही हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि जिम में यह विवाद सुबह के समय हुआ। घटना के बाद पुलिस ने जिम को सील किया और आरोपी ट्रेनर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी और किसी भी दबाव या बाहरी हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

युवाओं के सपनों को साकार करने में जुटी है सरकार: धामी

मुख्यमंत्री ने 215 नव नियुक्त अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को नवनियुक्त उपनिरीक्षक (नागरिक पुलिस/अभिसूचना), गुल्मनायक (पीएससी) और अग्नि शमन द्वितीय अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर कुल 215 लोगों को सरकारी सेवाओं में नियुक्त किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों में प्रदेश में करीब 27 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि यह सरकार युवाओं के सपनों को साकार करने में पूरी तरह जुटी है और इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने रोजगार के अवसर बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि युवाओं को उनके योग्यतानुसार सरकारी तथा गैर-सरकारी क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश के कई युवा बेहतर अवसरों की तलाश में बाहर जाते थे, लेकिन अब उनकी सरकार के प्रयासों के चलते रिवर्स पलायन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। युवा अब प्रदेश में ही रोजगार के अवसर पाकर अपने घरों और गांवों से जुड़ रहे हैं। सीएम ने यह भी बताया कि प्रदेश में औद्योगिक और व्यापारिक निवेश को बढ़ावा दिया जा रहा है। नई नीति और सुधारों के जरिए छोटे व मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर पैदा हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने शिक्षा और कौशल विकास पर भी विशेष ध्यान दिया है, ताकि युवा सिर्फ नौकरी की प्रतीक्षा न करें, बल्कि स्वरोजगार के अवसर भी खोज सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की यह प्राथमिकता है कि हर युवा प्रदेश में रहकर अपने सपनों को साकार कर सके। इसके लिए विभिन्न विभागों में नियुक्ति प्रक्रिया को तेज किया जा रहा है और सरकारी नौकरियों की संख्या बढ़ाई जा रही है।

अपराधी पकड़े जाने पर षड्यंत्रकारी का होगा खुलासा: पाण्डे

विधायक बोले-गदरपुर विधानसभा क्षेत्र में करवाया गया चहुंमुखी विकास

गदरपुर(उद संवाददाता)। विधायक अरविंद पांडे ने कहां की राजा जगत देव की मूर्ति तोड़ने वालों को बुक्सा समाज कभी माफ नहीं करेगा और इसके अपराधी पकड़े जाने पर मूर्ति तोड़ने का षड्यंत्र रचने वाले भी बेनकाब हो जाएंगे। श्री पांडे ने आज पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि उनके द्वारा अपनी गदरपुर विधानसभा का चहुंमुखी विकास कराया गया है और विकास कार्य आगे भी जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में गदरपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास की नई गाथा लिखी गई है। विधायक अरविंद पांडे ने कहा कि बुक्सा समाज को नई पहचान दिलाने के लिए उन्होंने उनके नाम पर खेमपुर में एक स्टेडियम का निर्माण कराया है। इसके अलावा गूलरभोज क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का पूरा प्रयास किया गया है। विधायक अरविंद पांडे ने बताया कि उनके कार्यकाल में गदरपुर विधानसभा क्षेत्र में कई विकास कार्य हुए हैं। इनमें डल बाबा से डैम के नीचे रोड, पार्किंग, टॉयलेट व्यवस्था और नौकायन शामिल हैं। इसके अलावा दिनेशपुर क्षेत्र में हॉट चौड़ में नया भवन, स्टेडियम, ऑडिटोरियम, दिनेशपुर के चंडीपुर में नया भवन, कुल्हा क्षेत्र में स्टेडियम और थारू जनजाति के लिए हॉस्टल बनाया गया है। विधायक अरविंद पांडे ने बताया कि केलाखेड़ा में नया राजकीय इंटर कॉलेज और स्टेडियम बनाया गया है। इसके अलावा (शेष पृष्ठ सात पर)

गैराज में लगी भीषण आग छह वाहन जलकर राख

नैनीताल। सरोवर नगरी में वर्ष के आखिरी दिन सुबह तड़के बीडी पांडे जिला चिकित्सालय के पीछे स्थित गैराज में भीषण आग लग गई। आग में छह दोपहिया वाहन पूरी तरह जलकर केवल ढांचे रह गए। राहत की बात रही कि घटना के समय मौके पर कोई नहीं था, इसलिए किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।प्राप्त जानकारी के अनुसार आग सुबह लगभग साढ़े तीन बजे लगी। सबसे पहले नाहिद नामक व्यक्ति ने अपने घर से धमाकों के साथ आग देखी और सुबह चार बजकर दस मिनट पर अग्निशमन बलों को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में टीम (शेष पृष्ठ सात पर)

स्व. उर्मिला चुघ की स्मृति में एम्बुलेंस सेवा शुरू

रूद्रपुर। सेवा क्रांति वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा आज भाजपा नेता भारत भूषण चुघ की माता स्व. उर्मिला रानी चुघ की स्मृति में निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा का शुभारम्भ किया गया। जिसका उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी केके अग्रवाल व एसपी निहारिका तोमर ने सिंह कालोनी गली नम्बर 7 में सेवा क्रांति वेलफेयर ट्रस्ट के कार्यालय के समक्ष भारत भूषण चुघ के साथ हरी झंडी दिखाकर किया। इस मौके पर भाजपा नेता भारत भूषण चुघ ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र के सभी गरीब परिवारों के लिए यह सेवा पूरी तरह से निःशुल्क रहेगी। जबकि अन्य से वाहन का डीजल मूल्य सहयोग स्वरूप लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि अगर कोई व्यक्ति एम्बुलेंस को नगर से बाहर ले जाना चाहता है (शेष पृष्ठ सात पर)

शिल्पी अरोड़ा बनी महिला कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव

गदरपुर(उद संवाददाता)। उत्तराखंड कांग्रेस की सक्रिय और जुझारू नेत्री शिल्पी अरोड़ा को कांग्रेस पार्टी ने एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें अखिल भारतीय महिला कांग्रेस में राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति से उत्तराखंड कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। शिल्पी अरोड़ा लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहकर महिलाओं की भागीदारी, सामाजिक सरोकारों और पार्टी की नीतियों को मजबूती से उठाती रही हैं। उनके अनुभव, संगठनात्मक क्षमता और समर्पण को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्ति के बाद शिल्पी अरोड़ा ने कांग्रेस नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि वह महिला कांग्रेस को और अधिक मजबूत करने के साथ- साथ महिलाओं की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से उठाने का कार्य करेंगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी की विचारधारा और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगी। उनकी इस उपलब्धि पर प्रदेश कांग्रेस नेताओं, महिला कांग्रेस पदाधिकारियों और समर्थकों ने बधाई देते हुए इसे उत्तराखंड के लिए गौरव का विषय बताया है।

स्व.उमेश अग्रवाल का जीवन समाज व राष्ट्र सेवा के लिए रहा समर्पित:धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को जी.एम.एस रोड, देहरादून में स्व. उमेश अग्रवाल की 66वीं जयन्ती के अवसर पर आयोजित मातृ-पितृ भक्ति दिवस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वर्गीय उमेश अग्रवाल की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन संगठन, समाज और राष्ट्र सेवा को समर्पित रहा। स्व. उमेश ने देहरादून में भाजपा विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए संगठन को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने हमेशा जनसेवा और विकास को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनाए रखा। उन्होंने प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के कार्यकारी अध्यक्ष तथा दून उद्योग व्यापार मंडल के संरक्षक के रूप में व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर संघर्ष किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वरिष्ठजन हमारे परिवार के संरक्षक के साथ संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों के जीवंत वाहक भी होते हैं। प्रध

ानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए भी कार्य कर रही है। वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 1500 पेंशन प्रदान की जा रही है। जिसके अंतर्गत राज्य के लगभग 6 लाख वृद्धजनों को पेंशन दी जा रही है। इसमें पात्र, पति और पत्नी दोनों को अलग-अलग पेंशन का लाभ भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा केंद्र सरकार के सहयोग से रुद्रपुर में मॉडल वृद्धाश्रम का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा राज्य में पहली बार वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में जेरियाट्रिक केयर गिवर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिसमें करीब 20 मास्टर ट्रेनर तैयार किए गए। उन्होंने कहा इस वर्ष प्रत्येक जनपद में कम से कम 50 व्यक्तियों को मास्टर ट्रेनर बनाने के साथ ही 150 व्यक्तियों को जेरियाट्रिक केयर गिवर प्रशिक्षण प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिकों को नि:शुल्क मोतियाबिंद सर्जरी की सुविधा भी प्रदान कर रही है। इस वर्ष 1,300 वरिष्ठ नागरिकों की निशुल्क सर्जरी कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सरकार ने बदलते समय के साथ रिश्तों में आई चुनौतियों को देखते हुए वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा हेतु राज्य में माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम भी लागू किया है। जिसके तहत बुजुर्गों को यह कानूनी अधिकार प्राप्त हो जाता है कि वे अपने बच्चों या कानूनी उत्तराधिकारियों से भरण-पोषण की मांग कर सकें। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, महामंत्री संगठन अजेय कुमार, विधायक श्रीमती सविता कपूर, खजान दास, उमेश शर्मा काऊ, अध्यक्ष महा नगरसिद्धार्थ अग्रवाल एवं अन्य लोग थे।

उरांचल प्रेस क्लब अध्यक्ष पद पर अजय राणा ने लहराया परचम

देहरादून। उत्तरांचल प्रेस क्लब के चुनाव में अजय राणा और उनके पैनल के अधिकांश उम्मीदवारों ने मंगलवार को हुए मतदान में शानदार जीत दर्ज की। मतगणना बुधवार तड़के सुबह पांच बजे तक चली, जिसके बाद परिणाम घोषित किए गए। अध्यक्ष पद पर अजय राणा ने 103 मतों के अंतर से गिरिधर शर्मा को पराजित कर जीत हासिल की। महामंत्री पद पर योगेश सेमवाल निर्वाचित हुए,

जबकि कोषाध्यक्ष पद पर मनीष डंगवाल को सफलता मिली। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर गजेंद्र सिंह नेगी और कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सोबन सिंह गुसाईं चुने गए। संयुक्त मंत्री पद पर शिवेश शर्मा और मीना नेगी ने जीत दर्ज की। संप्रेक्षक पद पर विजय जोशी निर्वाचित हुए। इसके अलावा मनवर रावत, रश्मि खत्री, मनमोहन लखेड़ा, मनोज सिंह जयाड़ा, वीरेंद्र डंगवाल पार्थ, हिमांशु जोशी, हरीश थपलियाल, ओमप्रकाश जोशी और सुलोचना पयाल कार्यकारिणी सदस्य चुने गए। चुनाव अधिकारी दर्शन रावत ने सभी पदों के चुनाव परिणामों की औपचारिक घोषणा की।

ठंड में कांपते बुजुर्गों को वितरित किए कम्बल

रुद्रपुर। प्रदेश में कंपकंपाती ठंड से लोगों को राहत दिलाने के लिए प्रशासन द्वारा अभी तक कोई कदम नहीं उठाए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए नगर निगम रुद्रपुर के पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं बंगाली कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप अधिकारी ने समाज सेवी प्रभु दयाल के साथ मिलकर मजदूर बुजुर्गों को इस कड़क ठंड से निजात दिलाने हेतु कंबलों का वितरण किया। इस अवसर पर दिलीप अधिकारी

ने कहा है कि नेताजी सुभाष जयंती पर इस बार भी ट्रांजिट में कैंप में गरीबों एवं बुजुर्गों को कंबल वितरित किया जाएगा। उन्होंने कहा लोगों को ठंड से राहत पहुंचाने के लिए प्रशासन द्वारा न तो पर्याप्त अलाव की ही व्यवस्था की गई है और न ही रात्रि में ठंड में सोने वाले गरीब व बेसहारा लोगों को कम्बल ही वितरित किए जा रहे हैं। जिस पर प्रशासन को प्राथमिकता से ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा बंगाली कल्याण समिति जनहित के कार्यों के लिए हमेशा तत्पर रही है। अब सुभाष जयंती पर गरीबों को कम्बल किए जाएंगे। इस अवसर पर माया देवी,गुलकी देवी, देशराज, बाबूराम, प्रेमपाल, गोपीचंद, लालविहारी, ओंकार जगदीश आदि मौजूद थे।

गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की बैठक कड़ी सुरक्षा में संपन्न

दूसरे गुट ने कमेटी पर पक्षपात और धांधली के आरोप लगाए

नानकमत्ता (उद संवाददाता)। नानकमत्ता स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब की प्रबंधक कमेटी की बैठक मंगलवार को पुलिस प्रशासन द्वारा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में संपन्न हुई। बैठक में दूसरे गुट के डायरेक्टर के आने के कारण माहौल तनावपूर्ण बना रहा। इस हंगामेदार बैठक में कोई नया प्रस्ताव पास नहीं हो सका, जबकि पुराने प्रस्तावों पर ही चर्चा हुई। बैठक में दूसरे गुट ने कमेटी पर बिना बहुमत के कार्य करने और उन्हें विश्वास में न लेने का आरोप लगाया। इसके अलावा, उन्होंने निर्माणाधीन दुकानों के आवंटन और दीपावली मेले में दी गई पार्किंग में धांधली का भी आरोप लगाया। बैठक की अध्यक्षता प्रधान जोगिंदर सिंह संधू ने

की। पुलिस प्रशासन ने बैठक से पहले सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। थानाध्यक्ष उमेश कुमार की अगुवाई में तैनात पुलिस फोर्स की मौजूदगी में बैठक शुरू हुई। बैठक में सबसे पहले गुरुद्वारा कमेटी में पूर्व में हुए कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया गया। बैठक में दूसरे गुट के सदस्य निर्मल सिंह हंसपाल ने कमेटी पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने और बिना प्रस्ताव पास किए निर्माण कार्य करने का आरोप लगाया। इसके अलावा, उन्होंने गुरुद्वारा मेले में पार्किंग शुल्क में वसूली बढ़ाने का भी आरोप लगाया। वहीं प्रीतपाल सिंह ने बोर्ड की बैठक में पास किए गए प्रस्तावों की प्रतियां सभी डायरेक्टर को उपलब्ध कराने की मांग की। बैठक में गुरुद्वारे में बनने वाले रेनबसेरा और अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। कुछ मुद्दों पर सहमति बनी, जबकि कुछ पर सहमति नहीं बन सकी। नए प्रस्तावों पर कोई चर्चा नहीं हो पाई। इस बैठक में पहली बार कुल 27 में से अधिकांश सदस्य उपस्थित रहे। प्रमुख उपस्थित सदस्यों में प्रधान जोगिंदर सिंह संधू, महासचिव अमरजीत सिंह बोपाराय, सचिव हरभजन सिंह, डायरेक्टर उपाध्यक्ष कमलेश कौर, गुरदयाल सिंह, गुरवंत सिंह सोनी, प्रीतपाल सिंह, निर्मल हंसपाल सिंह, देवेंद्र सिंह, प्रकाश सिंह, कुलदीप सिंह पन्नू और सुखवंत सिंह पन्नू थे। बैठक के बाद महासचिव अमरजीत सिंह बोपाराय ने कहा कि गुरुद्वारा कमेटी सभी सदस्यों के साथ मिलकर कार्य करेगी। उन्होंने बताया कि पार्किंग और दुकानों से जुड़े आरोपों पर संबंधित सदस्यों से साक्ष्य मांगे गए हैं और साक्ष्य मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि कमेटी का उद्देश्य सभी के साथ सहयोग और पारदर्शिता के साथ गुरुद्वारे के विकास और सेवा कार्यों को आगे बढ़ाना है।

नए साल के स्वागत में नगर निगम ने चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

रुद्रपुर। नए वर्ष के स्वागत के अवसर पर शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नगर निगम ने एक विशेष स्वच्छता अभियान शुरू किया। यह अभियान शहरवासियों को एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण देने के उद्देश्य से सभी 40 वार्डों में एक साथ चलाया गया।शहरी विकास निदेशालय के निर्देश पर महापौर विकास शर्मा और नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे ने नगर निगम के अधिकारियों को नव वर्ष से पहले शहर में विशेष क्लीनिंग ड्राइव चलाने के लिए निर्देशित किया था। अभियान का नेतृत्व नगर स्वास्थ्य अधिकारी कुलदीप कुमार, सफाई निरीक्षक गौतम सिंह और प्रभारी सफाई निरीक्षक द्वारा किया

गया।इस अभियान के तहत लो-इंटेंसिटी क्लीनिंग टार्गेट यूनिट्स, गलियों, सड़कों, पार्कों और अन्य सार्वजनिक स्थलों की विशेष रूप से सफाई की गई। सफाई कर्मचारियों ने विशेष उपकरण और आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर गंदगी, कचरा हटाया।अभियान के दौरान कुल 475 किलोग्राम सूखा कचरा और 230 किलोग्राम गीला कचरा एकत्रित किया गया। इसे एमआरएफ सेंटर भेजकर वैज्ञानिक तरीके से प्रोसेसिंग सुनिश्चित की गई, ताकि न केवल शहर साफ हो बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित किया जा सके। नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे ने कहा हमारा लक्ष्य है कि हर नागरिक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में जीवन जी सके। जैसे ही लोग नए साल की तैयारियों में जुटे हैं, नगर निगम भी स्वच्छता के संकल्प के साथ नए वर्ष का स्वागत कर रहा है। हम चाहते हैं कि रुद्रपुर न केवल सुंदर दिखे, बल्कि सचमुच स्वस्थ और साफ-सुथरा भी रहे।महापौर विकास शर्मा ने भी नागरिकों से अपील की कि वे शहर को स्वच्छ बनाये रखने में सहयोग करें और अपने आस-पास के क्षेत्रों को साफ-सुथरा रखने में सक्रिय भूमिका निभाएँ। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सिर्फ नगर निगम का काम नहीं है, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

वार्ड 12 में नि:शुल्क नेत्र शिविर आयोजित

हल्द्वानी । युवा नेता हेमन्त साहू व पार्षद प्रीति आर्या के प्रयासों से राजेन्द्र नगर वार्ड 12 में ज्योति नेत्रालय के सहयोग निशुल्क नेत्र शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों की आंखों की जांच की गई है और 5 लोगों को निशुल्क ऑपरेशन

किए गए। पार्षद प्रीति आर्या व हेमन्त साहू ने बताया शिविरों का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को निशुल्क नेत्र जांच और उपचार प्रदान करना है। भविष्य में भी समय समय पर जनहित में प्रयास जारी रहेंगे। इस दौरान प्रियांशु तिवारी, विभोर कुमार, राहुल चंद्र, सुमित नैनवाल, दीपक बोरा, विवेक कुमार समेत तमाम स्थानीय लोग मौजूद थे।

मातृवंदन योजना के क्रियान्वयन को लेकर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

रूद्रपुर। बाल विकास विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मातृवंदन योजना जो कि बीस सूत्रीय कार्यक्रम में भी सूचीबद्ध है, पर मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी गंभीर हो गये हैं। इसी क्रम में मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विकास भवन सभागार में एक बृहद प्रशिक्षण/कार्यशाला आयोजित की गयी। प्रशिक्षण कार्यकम/कार्यशाला में उपस्थित सुपरवाईजरों द्वारा प्रधानमंत्री मातृवंदन योजना के पोर्टल में हो रही तकनीकी समस्याओं एवं ऑगनबाडी कार्यकत्रियों के अन्य

कार्यों में भी योजित होने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया ।मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समस्त सीडीपीओ एवं सुपरवाईजरों का सैक्टरवार दैनिक लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा अर्थ एवं संख्याधिकारी के कार्यालय में मॉनीटरिंग सेल का गठन किया गया है, जोकि स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य माध्यमों से दैनिक रूप से योजना की प्रगति पर निगरानी रखेगा तथा प्राप्त होने वाली समस्याओं के निस्तारण की कार्यवाही भी करेगा ।उन्होने निर्देश दिये कि समस्त सीडीपीओज अपने स्तर पर समस्त ऑगनबाडी कार्यकत्रियों की बैठक आहूत कर योजना के परिप्रेक्ष्य में उनकी समस्याओं का निस्तारण किया जाये। इस दौरान परियोजनावार प्रशिक्षण कार्यक्रम का रोस्टर तैयार किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने सीडीपीओ व सुपरावाईजरों को आँगनबाडी केन्द्रों में पंजीत एवं पात्रता की श्रेणी में आने वाली गर्भवती महिलाओं को लाभान्वित करने हेतु उनका फार्म भरना एवं अन्य समस्त आवश्यक औपचारिकताएँ पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिये कि वे प्रत्येक सप्ताह अपने स्तर पर समीक्षा करके निर्धारित लक्ष्यों को पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगे ।

आपरेशन 'लगाम' में 354 लोगों की काउंसलिंग, 95 के चालान

रुद्रपुर। 31 दिसंबर और नववर्ष के अवसर पर जनपद में शांति, कानून-व्यवस्था और यातायात व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उधमसिंहनगर मणिकांत मिश्रा के नेतृत्व में ऑपरेशन 'लगाम' चलाया गया। एसएसपी ने पूरे जनपद में कड़े दिशा-निर्देश जारी किए और पुलिस अधिकारियों को अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए विशेष रूप से निर्देशित किया। 30 दिसंबर को जिले के सभी थाना क्षेत्रों में ऑपरेशन 'लगाम' के तहत विशेष अभियान संचालित किया गया। अभियान का लक्ष्य नववर्ष और 31 दिसंबर के दौरान अवैध गतिविधियों, नशाखोरी, हुड़दंग और शांति भंग करने वाले असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना था। अभियान के दौरान पुलिस ने उन व्यक्तियों को चिन्हित किया जो पूर्व में आपराधिक मामलों में संलिप्त रहे हैं या सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने/पिलाने, हुड़दंग और शांति भंग करने की गतिविधियों में शामिल पाए गए थे। अभियान के दौरान मात्र 24 घंटे में 354 व्यक्तियों की काउंसलिंग की गई और उन्हें सख्त चेतावनी दी गई कि किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कानून-व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में सख्त रुख अपनाते हुए 95 व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस एक्ट के तहत चालान की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई सार्वजनिक शांति भंग करने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ की गई। काउंसलिंग के दौरान सभी व्यक्तियों को स्पष्ट रूप से बताया गया कि 31 दिसंबर और नववर्ष के अवसर पर किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि, नशाखोरी, हुड़दंग या शांति भंग करने वाली हरकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसएसपी मणिकांत मिश्रा के निर्देशन में जनपद को संवेदनशीलता के आधार पर जोन और सेक्टरों में विभाजित किया गया, और प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों व सार्वजनिक स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई। रात्रि गश्त, पैदल पेट्रोलिंग और सघन चेकिंग अभियान को और प्रभावी बनाया गया। नववर्ष के अवसर पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए यातायात पुलिस को विशेष निर्देश दिए गए। प्रमुख चौराहों और मार्गों पर अतिरिक्त यातायात पुलिस की तैनाती की गई, नशे में वाहन चलाने वालों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया और ओवरस्पीडिंग, स्टंटबाजी तथा यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की गई। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने जनपदवासियों से अपील की कि नववर्ष और 31 दिसंबर का उत्सव शांतिपूर्ण, सुरक्षित और मर्यादित ढंग से मनाएं। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

विधायक चौहान ने एसएसपी से की मुलाकात

जसपुर क्षेत्र में बढ़ते अपराधों पर सख्त कार्रवाई की मांग

काशीपुर (उद संवाददाता)। मंगलवार को जसपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक आदेश चौहान ने ऊधम सिंह नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा से काशीपुर में मुलाकात की और क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चर्चा की। बैठक में विधायक ने क्षेत्र में सक्रिय माफियाओं, असामाजिक तत्वों और लगातार बढ़ रहे अवैध कार्यों पर अपनी चिंता व्यक्त की और इनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की। विधायक ने कहा कि जसपुर क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के कारण आम जनता में भय का माहौल बन रहा है, जिससे शांति व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है और अपराधियों के खिलाफ बिना किसी दबाव के कठोर कदम उठाए जाने चाहिए। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने विधायक को आश्वस्त किया कि जनपद पुलिस अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जसपुर क्षेत्र में असामाजिक गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और दोषियों के विरुद्ध प्रभावी और कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही पुलिस गश्त बढ़ाने और खुफिया तंत्र मजबूत करने की योजना भी बनाई जा रही है, ताकि किसी भी आपराधिक गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। बैठक में क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखने, आमजन का पुलिस पर विश्वास बढ़ाने तथा कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने पर भी विस्तृत चर्चा हुई। विधायक ने उम्मीद जताई कि पुलिस प्रशासन की सक्रिय कार्रवाई से जसपुर क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगेगा और आम लोगों को सुरक्षित व शांत वातावरण मिलेगा।

डा. चंदौला ने दी नव वर्ष की शुभकामनाएं

रूद्रपुर। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं चंदौला होम्योपैथिक मेडिकल कालेज के एमडी डा. किशोर चंदौला ने समस्त प्रदेशवासियों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि हर नागरिक का स्वस्थ और सुरक्षित जीवन सुनिश्चित करना समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है। डा. चंदौला ने कहा कि नव वर्ष हमें न केवल खुशियों और उत्साह की याद दिलाता है, बल्कि यह हमें समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को याद करने का भी अवसर देता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे अपने परिवार और समुदाय में सहयोग, भाईचारा और सौहार्द बनाए रखें, ताकि सामाजिक सौहार्द और सामूहिक प्रयासों से किसी भी कठिनाई का सामना किया जा सके। संदेश में डा. चंदौला ने स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि जागरूक रहकर हम न केवल स्वयं सुरक्षित रह सकते हैं, बल्कि अपने समाज और परिवार की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने से ही प्रदेश में खुशहाली और समृद्धि बनी रहेगी। इस अवसर पर डा. चंदौला ने विशेष रूप से चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत डॉक्टरों, स्वास्थ्यकर्मियों और स्वयंसेवकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनका समर्पण और मेहनत समाज में सुरक्षा और स्वास्थ्य की भावना को मजबूत करता है और लोगों में विश्वास बनाए रखता है। डा. चंदौला ने संदेश में कहा कि नव वर्ष में सभी प्रदेशवासी एक-दूसरे के प्रति सहयोग और सम्मान बनाए रखें। उन्होंने आशा जताई कि नए साल में प्रदेशवासियों का जीवन सुख, शांति और खुशहाली से भरपूर रहे और सभी मिलकर समाज के विकास में योगदान करें। (बधाई संदेश वि.)

उत्पीड़न के खिलाफ भड़के मंडी समिति के कारोबारी

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। मर्चेंट एसोसिएशन हल्द्वानी ने मंडी परिषद पर गंभीर आरोप लगाते हुए बड़ा फैसला लिया है। एसोसिएशन ने आरोप लगाया है कि मंडी समिति हल्द्वानी और मंडी परिषद उत्तराखंड द्वारा व्यापारियों का लगातार उत्पीड़न किया जा रहा है। व्यापारियों के अनुसार, मंडी प्रशासन की कथित मनमानी और दबावपूर्ण कार्यप्रणाली के विरोध में फल मंडी और गल्ला मंडी मर्चेंट एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से 1 जनवरी 2026 दिन गुरुवार से मंडी को पूर्ण रूप से अनिश्चितकालीन बंद रखने का निर्णय लिया है। इस ऐलान से आमजन पर भी इसका व्यापक असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। आंदोलन को व्यापार मंडल ने भी अपना समर्थन दिया है। हल्द्वानी मंडी परिषद पर व्यापारियों को लगातार परेशान करने के गंभीर आरोप लगे हैं। कभी अतिक्रमण तो कभी लीज एग्रीमेंट के नाम पर व्यापारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। आरोप है कि नवीन मंडी समिति हल्द्वानी में अनियोजित निर्माण कर अवैध तरीके से गोदाम और दुकानें आवंटित की गई हैं।व्यापारियों का कहना है कि जिन गोदामों के लीज एग्रीमेंट हैं, उनका किराया मंडी परिषद द्वारा स्वीकार नहीं किया जा रहा, जिससे मंडी व्यवस्था पर भ्रष्टाचार के आरोप और गहरे हो गए हैं। व्यापारियों ने स्पष्ट किया है कि आलू, फल और किराना कारोबार से जुड़े व्यापारियों का उत्पीड़न किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।सोमवार को व्यापारियों ने रैली निकालकर मंडी सचिव कार्यालय का घेराव किया और पत्र सौंपा विस्तृत आरोप नवीन मंडी परिसर में अनियोजित निर्माण और अवैध आवंटन, अधिवक्ता से मारपीट के मामले में पुलिस द्वारा शिकायत दर्ज न करना, व्यापारियों के टैक्स से राजस्व मिलने के बावजूद उत्पीड़न के आरोप लगाए गए। व्यापारी नेता वीरेन्द्र गुप्ता, योगेश शर्मा, मनोज जायसवाल, विपिन गुप्ता और हर्षवर्धन पांडे आदि ने व्यापारियों के साथ एकजुटता दिखाई।

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-
विजय आयुर्वेद क्लीनिक
पंचकर्म सेन्टर
निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षों का अनुभवः-
पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार, निःसन्तान स्त्री-पुरुष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, कीटाणु की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द, किडनी रोग (डायलिसिस से पहले) लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग
असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।
DR. VIJAY PRAKASH MISHRA
M.D. (Ayurveda)
Mob.: 9410897970
DR. ASHWINI MISHRA
M.D. (Ayurveda)
स्त्री एवं त्वचा रोग
मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)
होटल राजश्री के सामने, गली नं 2, डॉक्टर्स कालोनी
डी 1 डी 2 सिविल लाईन, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

मोनाड स्कूल में रंगभूमि कार्यक्रम धूमधाम से सम्पन्न

गदरपुर। क्षेत्र के प्रतिष्ठित मोनाड पब्लिक स्कूल में छात्रवास में रहने वाले छात्रों के द्वारा मुम्बई से आए रामप्रिय गंगवार तथा मोनाड स्कूल संजय सिकदार के सहयोग से विभिन्न तरह के नाटक तथा संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसे रंगभूमि का नाम दिया। रामप्रिय गंगवार जी पिछले आठ वर्षो से रंगमंच से जुडे हुऐ है तथा 2 वर्ष इन्होने सिनेमा में भी काम किया है। रामप्रिय गंगवार जी ने राष्ट्रीय नाटय विद्यालय दिल्ली भारतेन्दु नाटय अकेडमी लखनऊ से एक्टिंग में रेजीडेंसियल वर्कशाप से ट्रेनिंग ली हैं। आज आयोजित प्रमुख नाटको,नुक्कड नाटक सुरों का दृश्य,यह नाटक सुरो से नही भावनाओं और स्मृतियों से बुना गया हैं नाटक हरिश चन्द्र,सत्य और धर्म के प्रति अटूट निष्ठा की गाथा है। सर्कस और सन्नाटा मे यह जानता हू कि मैं कुछ नही जानता, मुख्य थे ।इसके अलावा छात्रवास के छात्रो द्वारा दोहा एवम कविता का पाठ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्या श्रीमति नेहा भारद्वाज,विधालय प्रबंधन के सदस्य श्री संजय सिहं, श्री अजीत सिंह,श्री सजल डाबर, श्रीमति प्रेरणा डाबर,श्रीमति मीनाक्षी रावत,श्रीमति अंजलि, आयुष्मान स्कूल के प्रधानाचार्या श्रीमती इंद्रजीत कौर सहित शिक्षक /शिक्षिकाएं तथा छात्रावास में रहने वाले छात्रों के अभिभावक गण उपस्थित रहे जिन्होंने उक्त कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की।

सांसद भट्ट ने ली दूरसंचार सलाहकार समिति की बैठक

हल्द्वानी। मंगलवार को हल्द्वानी आवास विकास स्थित भारत संचार निगम कार्यालय में दूरसंचार सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीय सांसद लोकसभा अजय भट्ट ने की। बैठक में क्षेत्र में दूरसंचार सेवाओं की स्थिति, नेटवर्क विस्तार, उपभोक्ता सुविधाओं तथा भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में बीएसएनएल के वरिष्ठ अधिकारियों ने क्षेत्र में चल रही परियोजनाओं, 4ळ/5ळ नेटवर्क विस्तार, ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क तथा उपभोक्ता शिकायत निवारण की प्रगति की जानकारी दी। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार की नीतियों के अनुरूप ठैछस् अपनी सेवाओं को और अधिक मजबूत करने के लिए लगातार प्रयासरत है।सांसद अजय भट्ट ने बैठक में कहा कि दूरसंचार सेवाएं आज आमजन की मूलभूत आवश्यकता बन चुकी हैं। उन्होंने ठैछस् अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्वतीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों में नेटवर्क कवरेज, मोबाइल और ब्रॉडबैंड सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे क्षेत्रों में सेवाएं बाधित न हों और समय-समय पर समस्याओं का निराकरण किया जाए।बैठक में बीएसएनएल के महाप्रबंधक कुमाऊं संजय प्रसाद, उप महाप्रबंधक एल.एम. तिवारी सहित समिति के विभिन्न सदस्य और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।यह बैठक क्षेत्र में दूरसंचार सेवाओं की गुणवत्ता और नेटवर्क विस्तार को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

शीतकालीन तीर्थाटन एवं पर्यटन को नई दिशा दे रही देवभूमि उत्तराखंड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुखबा यात्रा के बाद शीतकालीन चारधाम सर्किट को मिली नई राष्ट्रीय पहचान। उत्तराखंड सरकार इस विजन को प्रमुखता देते हुए सालभर तीर्थयात्रा कर सकने की सुविधा को सुनिश्चित कर रही है। बर्फ से ढकी चोटियां और प्राचीन पूजा स्थल तीर्थयात्रा के अनुभव को दिव्यता देंगे।

"माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदृष्टिपूर्ण नेतृत्व से प्रेरित होकर, हम उत्तराखंड के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक समृद्धि और अपार संभावनाओं के साथ हम दूरदर्शी नीतियों और केंद्रित पहलों के माध्यम से आर्थिक विकास को गति देने, अवसंरचना को उन्नत करने और प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य उत्तराखंड को विकास का एक आदर्श मॉडल बनाना है, जहां विरासत और नवाचार साथ-साथ आगे बढ़ें, और हर व्यक्ति को एक समृद्ध, प्रगतिशील और समावेशी वातावरण में आगे बढ़ने और सफल होने के अवसर मिलें।"

— **पुष्कर सिंह धामी**
मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

आस्था, आध्यात्म व रोमांच का केंद्र है देवभूमि उत्तराखण्ड

गंगा मंदिर, उत्तरकाशी

ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ

यमुना मंदिर, खरसाली

योगध्यान बद्री मंदिर, पांडुकेश्वर

उत्तराखंड का शीतकालीन चारधाम सर्किट पारंपरिक ग्रीष्मकालीन तीर्थयात्रा को एक सालभर उपलब्ध आध्यात्मिक और पर्यटन अवसर में परिवर्तित करता है। गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ के मुख्य मंदिर जब शीतऋतु के दौरान बंद हो जाते हैं, तो उनके देवताओं की मूर्तियां शीतकालीन गद्दीस्थलों या वैकल्पिक स्थानों पर स्थापित की जाती है, जिससे भक्त पूजा-अर्चना जारी रख सकें। हाल के महीनों में, इस सर्किट को नई पहचान तब मिली जब गंगा की शीतकालीन निवासस्थली मुखबा में एक उच्च-स्तरीय यात्रा हुई।

6 मार्च 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर्षिल-मुखबा क्षेत्र में स्थित गंगोत्री के शीतकालीन प्रवास पर दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। इस यात्रा ने शीतकालीन तीर्थयात्रा के महत्व को रेखांकित किया और यह दर्शाया कि उत्तराखंड में पर्यटन को गर्मियों के मौसम से आगे बढ़ाकर सालभर की आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधि बनाया जा सकता है। प्रधानमंत्री का संदेश स्पष्ट था—शीत ऋतु को 'ऑफ-सीजन' के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह यात्रा आस्था और विकास दोनों का प्रतीक बनी, क्योंकि इसने चारधाम की धार्मिक निरंतरता को पुनः स्थापित किया और साथ ही शीतकालीन पर्यटन को मजबूत करने के लिए आवश्यक अवसंरचना और प्रचार-प्रसार पर ध्यान आकर्षित किया।

मुखबा अपने आप में शांत और मनोहारी हिमालयी सौंदर्य वाला स्थान है। गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने पर देवी की मूर्ति विधि-विधान के साथ मुखबा लाई जाती है, जिससे भक्त कम ऊंचाई वाले इस स्थान पर भी पूजा कर सकें। बर्फ से ढकी चोटियां और प्राचीन पूजा-पद्धतियों का संगम मुखबा को शीतकालीन तीर्थयात्रा का एक अनोखा और भावपूर्ण प्रारंभिक बिंदु बनाता है।

शीतकालीन चारधाम सर्किट देवप्रतिमाओं को शीतकालीन मंदिरों में स्थापित कर सालभर तीर्थयात्रा को संभव बनाता है, जहां आस्था हिमालयी यात्रा अनुभवों के साथ सुगमता से जुड़ती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुखबा यात्रा ने शीतकालीन पर्यटन की विशाल संभावनाओं को उजागर किया, जिससे अवसंरचना विकास और पर्यटन प्रोत्साहन को नई दिशा मिली। औली, चकराता और दयारा बुग्याल जैसे नजदीकी गंतव्य आध्यात्मिकता, रोमांच और प्रकृति-आधारित अनुभवों को और समृद्ध बनाते हैं।

"उत्तराखंड के पास एक प्राकृतिक आध्यात्मिक शक्ति है, जो उसे विशिष्ट बनाती है। देवभूमि की यह शक्ति, विरासत और पवित्रता इसे ऐसी पहचान देती है, जो कहीं और नहीं मिलती। राज्य अब अपार संभावनाओं के दौर में प्रवेश कर रहा है और यदि यह दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़े, तो दुनिया के प्रमुख आध्यात्मिक केंद्रों में अपना स्थान बना सकता है। आध्यात्मिक सामर्थ्य के साथ-साथ उत्तराखंड एक सुंदर विवाह-गंतव्य के रूप में भी उभर रहा है। 'वेड इन इंडिया' दृष्टिकोण का लाभ लेने के लिए राज्य कुछ चुनिंदा स्थानों को विश्व-स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित कर विकसित कर सकता है, ताकि देश भर के लोग उत्तराखंड की शांत और दिव्य वादियों में अपने विशेष अवसरों का उत्सव मना सकें।"

– **नरेन्द्र मोदी,** प्रधानमंत्री

शीतकालीन चारधाम के अनुभव को आस-पास के गंतव्यों से बनाएं बेहतर

दयारा बुग्याल : एक विस्तृत अल्पाइन घासभूमि, जो शीतकालीन बर्फीले नजारों और ग्रीष्मकालीन चरागाहों के लिए प्रसिद्ध है। सर्दियों में इसकी दूर-दूर तक फैली सफ़ेद घाटियां ध्यानपूर्ण सैर के लिए आदर्श हैं और हिमालय के व्यापक दृश्य प्रस्तुत करती हैं।

चकराता : देवदार के जंगलों, झरनों और आसान ट्रेकिंग मार्गों के लिए जाना जाने वाला शांत पहाड़ी कस्बा। चकराता के सुरम्य वनप्रदेश भीड़भाड़ वाले तीर्थ मार्गों से अलग एक शांत अनुभव प्रदान करते हैं।

लाखामंडल : यह प्राचीन मंदिर परिसर पुरातात्विक अवशेषों और ऐतिहासिक शिव मंदिरों से सम्पन्न है। क्षेत्र की प्रारंभिक मंदिर स्थापत्य परंपरा और स्थानीय पौराणिक धरोहर में रुचि रखने वाले यात्रियों के लिए यह एक सांस्कृतिक आकर्षण जोड़ता है।

औली : भारत का प्रमुख स्कीइंग गंतव्य, जहां शीतकालीन खेल, रोपवे और नंदा देवी सहित कई हिमालयी चोटियों के दिव्य दृश्य उपलब्ध है। तीर्थयात्रा के साथ रोमांचक पर्यटन अनुभव चाहने वाले यात्रियों के लिए औली एक आकर्षक विकल्प है।

काशी विश्वनाथ (उत्तरकाशी) : उत्तरकाशी का विश्वनाथ मंदिर एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय धाम है और ऊंचाई वाले तीर्थस्थलों की ओर जाते समय एक आध्यात्मिक विराम प्रदान करता है। इसकी उपस्थिति चारधाम यात्रा की धार्मिक निरंतरता को और मजबूत बनाती है।

नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान : यूनेस्को बायोस्फियर रिजर्व के रूप में मान्यता प्राप्त यह उद्यान उच्च हिमालयी वाइल्डरनेस, दुर्लभ वनस्पतियों-जीवों और समृद्ध संरक्षण विरासत के लिए प्रसिद्ध है। यहां की यात्रा तीर्थयात्रा अनुभव में पर्यावरणीय जागरूकता और प्रकृति संरक्षण की गहराई जोड़ती है।

विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनने की दिशा में अग्रसर हो रहा उत्तराखंड

उत्तराखंड अपने मंदिर सर्किट, प्राचीन विरासत और सांस्कृतिक पहचान को सशक्त बनाकर खुद को आध्यात्मिकता और कल्याण का वैश्विक केंद्र स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। अपने इस प्रयास से यह विश्व पटल पर नई पहचान भी स्थापित कर रहा है

उत्तराखंड धीरे-धीरे एक प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र के रूप मे उभर रहा है, जो प्राचीन मंदिर सर्किटों को पुनर्जीवित, सशक्त और आधुनिक बनाने के केंद्रित प्रयासों से प्रेरित है। इस दिशा मे एक प्रमुख पहल है मानसखंड मंदिर माला मिशन, जिसका उद्देश्य कुमाऊं क्षेत्र के महत्वपूर्ण मंदिरों का विकास और आपसी कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना है। मिशन के तहत पहुंच मार्गों, आगंतुक सुविधाओं और धरोहर अवसंरचना मे सुधार कर, राज्य की समृद्ध सभ्यतात्मक विरासत पर आधारित एक सहज तीर्थयात्रा अनुभव तैयार करना लक्ष्य है।

इस आध्यात्मिक परिदृश्य में योगदान देने वाले प्रमुख मंदिरों में रुद्रप्रयाग जिले का कार्तिक स्वामी मंदिर शामिल है। एक ऊंची चट्टानी कगार पर स्थित यह मंदिर भगवान कार्तिकेय को समर्पित है और हिमालयी चोटियों के मनोरम दृश्य के साथ शांतिपूर्ण भक्तिपूर्ण वातावरण प्रदान करता है। इसकी अनूठी भौगोलिक स्थिति इसे तीर्थयात्रियों और आगंतुकों के लिए एक पवित्र स्थल और मनोहारी दृष्टि बिंदु दोनों बनाती है।

इसी तरह, त्रिजुगीनारायण मंदिर, जो रुद्रप्रयाग मे स्थित है, भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पौराणिक कथाओं में लिप्त यह मंदिर भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह स्थल के रूप में जाना जाता है। मंदिर परिसर मे लगातार जलती रहने वाली अनंत ज्योति उस दिव्य मिलन का जीवित प्रतीक मानी जाती है, जो पूरे वर्ष भक्तों को आकर्षित करती है।

कार्तिक स्वामी मंदिर, भगवान कार्तिक को समर्पित, जिन्हे देश के कुछ हिस्सों मे भगवान मुरुगा / मुरुगन के नाम से जाना जाता है।

जागेश्वर धाम, 125 से ज्यादा प्राचीन मंदिरों का समूह, जो भगवान शिव को समर्पित है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 9 नवंबर 2025 को देहरादून में दिया गया संबोधन राज्य की आध्यात्मिक संभावनाओं को और मजबूत करता है। उन्होंने उत्तराखंड की प्राकृतिक और सांस्कृतिक शक्ति पर बल देते हुए कहा,"यदि उत्तराखंड इसे ठान ले, तो कुछ ही वर्षों में यह विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित हो सकता है" उनकी यह टिप्पणी राज्य की बदलती पहचान की संपूर्णता को दर्शाती है, जो आध्यात्मिकता, तीर्थयात्रा और सांस्कृतिक निरंतरता में निहित है।

रणनीतिक विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और धरोहर आधारित विकास पर नए प्रयास के साथ, उत्तराखंड इस दृष्टि को साकार करने की दिशा में अग्रसर है, खुद को विश्वास, पवित्रता और आध्यात्मिक खोज का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए तैयार कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि ग्रामीण इलाके पर्यटन के केंद्र बन रहे हैं। साथ ही हर पर्यटन स्थल अपना खुद का राजस्व मॉडल भी विकसित कर सकता है। हमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए होमस्टे और छोटे होटलों जैसे व्यवसायों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है

'वेड इन उत्तराखंड' से राज्य में बढ़ रहा वेडिंग पर्यटन का आकर्षण

राज्य की पर्यटन क्षमता की ओर इशारा करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय 'वेड इन इंडिया' पहल के तहत उत्तराखंड की क्षमता को एक प्रमुख डेस्टिनेशन वेडिंग स्थल के रूप में उभरने की ओर इंगित किया। यह पहल प्रदेश में पर्यटन को नई दिशा दे रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल के बाद उत्तराखंड धीरे-धीरे शादी पर्यटन के लिए एक प्रत्याशित गंतव्य के रूप में उभर रहा है। पीएम मोदी ने राज्य स्थापना दिवस समारोह, 9 नवंबर 2025 को अपने संबोधन में राज्य के प्राकृतिक दृश्य, आध्यात्मिक वातावरण और बढ़ती पर्यटन अवसंरचना की क्षमता पर जोर देते हुए कहा कि ये सभी कारक देश और विदेश से वेडिंग पर्यटन को आकर्षित करने में सहायक हैं। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि उत्तराखंड पहले ही एक वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित हो रहा है, जो अपनी पर्वतीय भव्यता, नदियों और शांत घाटियों के प्राकृतिक सौंदर्य पर आधारित है। उन्होंने 'वेड इन इंडिया' पहल के अंतर्गत राज्य की एक विशिष्ट पहचान बनाने का महत्व रेखांकित किया और सुझाव दिया कि उत्तराखंड 5-7 प्रमुख वेडिंग स्थल विकसित कर सकता है, जो उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाओं के साथ राज्य की सांस्कृतिक और प्राकृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करें।

प्रसिद्ध त्रिजुगीनारायण मंदिर, भगवान शिव और पार्वती के विवाह के लिए जाना जाता है और अटूट आस्था और आध्यात्मिक बंधन का प्रतीक है।

उन्होंने यह भी कहा कि पहुंच मार्गों में सुधार, आतिथ्य सेवाओं को बढ़ाना और स्थानीय परंपराओं को समेकित करना न केवल पर्यटन अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगा बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर भी सृजित करेगा। रोमांच, ईको-टूरिज्म और धार्मिक पर्यटन को पहले ही बढ़ावा देने वाली सरकार के लिए, समर्पित वेडिंग डेस्टिनेशन रणनीति राज्य की पेशकशों में और विविधता जोड़ती है। मजबूत जनसहानुभूति और प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि के साथ, उत्तराखंड भारत के सबसे आकर्षक वेडिंग गंतव्यों में से एक के रूप में अपनी स्थिति बनाने जा रहा है, जहां प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक गहराई और विश्व-स्तरीय आतिथ्य का अनूठा संयोजन मिलेगा।

होमस्टे नीति से ग्रामीण पर्यटन को मिल रहा विस्तार

5,000 से अधिक पंजीकृत होमस्टे और प्रोत्साहनों के साथ, होमस्टे नीति सामुदायिक पर्यटन और स्थानीय आजीविका को मजबूत बना रही है

उत्तराखंड की होमस्टे नीति तेजी से ग्रामीण पर्यटन और समावेशी विकास का महत्वपूर्ण स्तंभ बनती जा रही है। वर्तमान में राज्य में 5,000 से अधिक पंजीकृत होमस्टे हैं, जो पहाड़ी जिलों में समुदाय-आधारित आवास के तेज विस्तार को दर्शाते हैं।

योजना के तहत, सामान्य क्षेत्रों में संचालित होमस्टे को अधिकतम ₹7.5 लाख तक की पूंजी अनुदान मिल सकती है, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में यह राशि ₹10 लाख तक हो सकती है। इसके अतिरिक्त, कई वर्षों के लिए ब्याज अनुदान का भी प्रावधान है। होमस्टे संचालकों का स्थानीय निवासी होना आवश्यक है और उन्हें स्थानीय संस्कृति, व्यंजन और अतिथ्य को पर्यटक अनुभव में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

इस नीति का उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करना, रोजगार सृजित करना और पर्यटन के माध्यम से पलायन को रोकना है। प्रारंभिक आकलन बताते हैं कि होमस्टे मॉडल आय बढ़ाने, स्थानीय आजीविकाओं में विविधता लाने और उत्तराखंड के दूरस्थ क्षेत्रों में सामुदायिक विकास में योगदान दे रहा है।

आस्था, आध्यात्म व रोमांच का केंद्र है आदि कैलाश

प्रधानमंत्री की यात्रा के बाद आस्था व साहस का प्रतीक बनकर उभरा है आदि कैलाश

आदि कैलाश, उत्तराखंड के सबसे पूजनीय आध्यात्मिक स्थलों में से एक,

आज तेजी से ऐसे गंतव्य के रूप में उभर रहा है जहां पौराणिक विरासत और ऊंचाई वाले साहसिक अनुभव एक साथ मिलते हैं। अपनी गहरी पौराणिक महत्ता और भव्य हिमालयी आभा के लिए प्रसिद्ध आदि कैलाश राज्य की सांस्कृतिक पहचान में एक विशेष स्थान रखता है। यह क्षेत्र अब तीर्थयात्रियों, प्रकृति प्रेमियों और रोमांच-प्रेमी यात्रियों को आकर्षित कर रहा है, जो आध्यात्मिक शांति के साथ-साथ निर्मल प्राकृतिक सौंदर्य की तलाश में आते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आदि कैलाश यात्रा ने इसकी राष्ट्रीय पहचान को और अधिक सशक्त किया है। 9 नवंबर 2025 को देहरादून में अपने संबोधन के दौरान

प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि किस प्रकार यह क्षेत्र उत्तराखंड की बढ़ती पर्यटन अपील का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन रहा है। उन्होंने बढ़ती पर्यटक संख्या की सराहना करते हुए बताया कि तीन वर्ष पहले जहां वर्षभर में 2,000 से भी कम पर्यटक आते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर लगभग 30,000 पहुंच गई है। यह बदलाव बेहतर कनेक्टिविटी और उन्नत अवसंरचना के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाता है। यह क्षेत्र एक ऐतिहासिक खेल आयोजन का भी साक्षी बना, जहां उच्च हिमालयी ऊंचाइयों पर आयोजित अल्ट्रामैराथन और आदि कैलाश परिक्रमा रन सफलतापूर्वक संपन्न हुए। प्रधानमंत्री ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, बल्कि देश-विदेश के एथलीटों को हिमालय की आध्यात्मिक और पर्यावरणीय समृद्धि से भी परिचित कराते हैं। उन्होंने कहा कि ये प्रयास राज्य में इको-टूरिज्म और एडवेंचर टूरिज्म की अपार संभावनाओं को सामने लाते हैं।

अनदेखे रोमांच का अद्वितीय संगम

उत्तराखंड दुनियाभर के रोमांच खेल प्रेमियों को अनूठा अनुभव प्रदान करता है

देश में जब रोमांच पर्यटन की बात आती है, तो उत्तराखंड अपने विविध परिदृश्यों और रोमांच प्रेमियों का पसंदीदा स्थान बन जाता है। यहां रोमांचक गतिविधियों की कोई कमी नहीं है। आपको यहां जोश से भर देने वाले कई खेल खेलने को मिल जाते हैं और यही कारण है कि दुनियाभर के रोमांच प्रेमियों के लिए यह राज्य असाधारण अनुभव प्रदान करता है।

ट्रैकिंग और हाइकिंग

ट्रैकिंग और हाइकिंग के माध्यम से आप उत्तराखंड की सुदूर जगहों की यात्रा कर सकते हैं। यहां पारंपरिक रूपकुंड ट्रैक पर ट्रैकिंग का आनंद लिया जा सकता है, जहां हरे-भरे जंगल और घास के मैदानों के बीच या फूलों की घाटी के बीच से होकर गुजरना सुखद अहसास दे सकता है। लंबी सैर करने वालों के लिए केदारकांठा और गौमुख तपोवन ट्रैक जीवन भर के लिए यादगार अनुभव दे जाते हैं।

बंजी जंपिंग

विश्व की योग राजधानी के रूप में भी पहचाना जाने वाला ऋषिकेश अपने जोशीले रोमांच के लिए भी जाना जाता है, क्योंकि यहां पूरे देश में सबसे ऊंची बंजी जंपिंग साइट है। गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देने की इच्छा रखने वाले रोमांच प्रेमी शानदार हिमालय पहाड़ियों के बीच बंजी जंपिंग करने के लिए यहां आते हैं।

स्कीइंग

चमोली जिले में स्थित औली को स्कीइंग प्रेमियों के केंद्र के रूप में जाना जाता है। दूर तक बर्फ से ढकी पहाड़ी ढलानों के साथ रोमांच प्रेमी इसके शीतकालीन वंडरलैंड से रास्ता तय करते हुए औली की यात्रा करते हैं। यह शानदार स्थल राष्ट्रीय शीतकालीन खेलों की मेजबानी के लिए भी प्रसिद्ध है, जहां एथलीटों को अपनी ताकत दिखाने का पूरा मौका मिलता है।

रिवर राफ्टिंग

उत्तराखंड की नदियां केवल राज्य की सुंदरता को ही नहीं बढ़ाती हैं, बल्कि व्हाइट वॉटर राफ्टिंग के प्रेमियों में जोश भर देती हैं, जो यहां रोमांच के लिए आते हैं। जब पर्यटक सफेद पानी में राफ्टिंग के माध्यम से रैपिड्स पर विजय प्राप्त करते हैं या गंगा, टोंस और अलकनंदा नदियों में एक शांत कैनोइंग या कयाकिंग के दौरान पानी पर नौका चलाते हैं, तो निश्चित रूप से उन्हें अलग रोमांच का अनुभव मिलता है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां आसमान की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नैनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से वह आसमानी उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र ने स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है और यहां रोजगार की संभावनाएं सृजित की हैं।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सबसे तेज आर्थिक महाशक्ति

यदि 1990 के दशक में कोई कहता कि भारत की अर्थव्यवस्था जापान को पीछे छोड़ सकती है, तो कोई भी उद्योगपति या अर्थशास्त्री इसे स्वीकार नहीं करता। तब जापान विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था और भारत बहुत पीछे था। भारत ने अर्थव्यवस्था को खोलने और आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत ही की थी, लेकिन आज यथार्थ सामने है। आज भारत 4.187 ट्रिलियन डॉलर के साथ विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और उसने जापान को पीछे कर दिया है। भारत सबसे तेज गति वाली अर्थव्यवस्था है और वह दिन दूर नहीं है, जब भारत में कामगार आबादी 1 अरब होगी। फिलहाल भारत की कुल आबादी 1.47 अरब को पार कर चुकी है। राजनेता अपने आंकड़े सुधार लें। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और कई विख्यात रेटिंग एजेंसियां 2025-26 (31 मार्च, 2026 तक) वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक विकास दर औसतन 7 फीसदी आंक रही हैं। देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन इससे भी अधिक विकास दर को लेकर आशान्वित हैं। यकीनन भारत बदल रहा है और आर्थिक महाशक्ति बन चुका है। जर्मनी 4.7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ तीसरे स्थान पर है। यकीनन भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के कगार पर है। ऐसी अनुकूल स्थिति के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने शीर्ष नौकरशाहों को यह सलाह क्यों दी है कि 'विनियमन प्रकोष्ठ' स्थापित किए जाएं। प्रधानमंत्री देश की बढ़ती आर्थिक ताकत के रास्ते में किसी भी नियम, कानून और प्रक्रिया को रोड़ा बनने के पक्षधर नहीं हैं। साफ है कि प्रधानमंत्री सुधारों को गति देना चाहते हैं। फालतू के नियम, कानून, प्रतिबंध और प्रक्रियाओं को समाप्त करना चाहते हैं, ताकि जिंदगी और व्यापार करना आसान हो सके। इसी बिंदु पर भारत जापान से बहुत अलग है। 2004 को याद करें, जब एक अनुबंध या ठेका प्राप्त करने में औसतन 425 दिन लगते थे। करीब 40 प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता था। दिवालियापन के समाधान की प्रक्रिया आराम से 10 साल तक चलती थी। नीति आयोग ने 2017 की अपनी रपट में स्वीकार किया था कि भारत में एक दुकान स्थापित करने में औसतन 118 दिन लगते थे। असम में यह अवधि 248 दिन तक फैल जाती थी। बेशक आज स्थितियां तुलनात्मक रूप से बेहतर हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने फालतू के सैकड़ों कानूनों को खत्म किया है, लेकिन प्रक्रियाएं आज भी व्यापार, उद्योग के पहिये को अवरुद्ध कर रही हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री को 'विनियमन प्रकोष्ठ' स्थापित करने की बात कहनी पड़ी है। यदि भारत 2047 तक 'विकसित राष्ट्र' बनना चाहता है, तो ऐसी स्थितियां बनानी पड़ेंगी, जिनमें कायदे-कानून और फालतू की प्रक्रियाएं 'शासन' न करती हों, बल्कि नियमन को सहज-सुगम बनाती हों। बेशक उससे भारत की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। अब भारत ऐसा देश है, जिसमें 2025 में 1.95 लाख करोड़ रुपए के आईपीओ आए और डीमैट खातों की संख्या 21 करोड़ के पार चली गई। अभी तक 1350 स्टार्टअप में 25,320 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया गया है। आज भारत 159 प्रकार के गोला-बारूद, गोलियां, रॉकेट आदि का उत्पादन देश में ही कर रहा है। रक्षा-क्षेत्र करीब 91 फीसदी आत्मनिर्भर हो चुका है। 'मेक इन इंडिया' उत्पादों में ब्रह्मोस और पिनाका मिसाइलों की मांग बढ़ रही है। 2029 तक भारत ने 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा-निर्यात का लक्ष्य तय किया है। आधा तो हम हासिल कर चुके हैं। बहरहाल संसद में बजट पेश करते हुए राजकोषीय घाटे का जो लक्ष्य तय किया गया था, वह नियंत्रण में है। मुद्रास्फीति 0.7 फीसदी तक गिर गई है। चालू खाते का घाटा दोगुना हो सकता है, लेकिन यह जीडीपी के 1.2 फीसदी तक ही रहेगा, जो एक सहज स्थिति है।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता में बालक बालिकाओं ने दिखाया दम

हल्द्वानी में खेल निदेशालय द्वारा अनुसूचित जाति एथलेटिक्स प्रतियोगिता आयोजित

हल्द्वानी। खेल निदेशालय उत्तराखंड के तत्वाधान में जिला प्रशासन नैनीताल के मार्गदर्शन में जिला खेल कार्यालय हल्द्वानी द्वारा अंडर-19 और अंडर-15 आयु वर्ग की अनु. जाति एथलेटिक्स प्रतियोगिता हल्द्वानी स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में कुल 46 बालक और 41 बालिकाओं ने भाग लिया। इसका शुभारंभ अंतर्राष्ट्रीय धावक राजीव लोचन द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। विजेता खिलाड़ियों को कोषागार अजय कुमार द्वारा आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए।अंडर-19 बालकों में 100 मीटर रेस में प्रथम स्थान इलयास अली, द्वितीय करण आर्य और तृतीय हर्षित आर्य रहे। 200 मीटर रेस में सातुन आर्य ने पहला स्थान प्राप्त किया, राहुल कुमार द्वितीय और पवन कुमार तृतीय रहे। 400 मीटर रेस में इलशाद अली प्रथम, हर्षित राहुल द्वितीय और कुमार तृतीय रहे। 800 मीटर रेस में शांतनु आर्य ने पहला स्थान प्राप्त किया, प्रिंस आर्य द्वितीय और खुशल मटेलिया तृतीय रहे। 1500 मीटर रेस में प्रथम प्रिंस आर्य, द्वितीय खुशल मटेलिया और तृतीय अर्जुन कुमार रहे। गोला फेंक में स्वामी आयुष ने पहला स्थान प्राप्त किया, करन आर्य द्वितीय और ईशान लोचन तृतीय रहे। डिस्कस थ्रो में विनीत आर्य प्रथम, स्वामी आयुष द्वितीय और लक्ष्मण आर्य तृतीय रहे।अंडर-19 बालिकाओं में 100 मीटर रेस में प्रथम साक्षी आर्य, द्वितीय माही आर्य और तृतीय खुशी आर्य रहीं। 200 मीटर रेस में माही आर्य ने पहला स्थान प्राप्त किया, निहारिका आर्य द्वितीय और लता आर्य तृतीय रहीं। 400 मीटर रेस में खुशी आर्य प्रथम, लता आर्य द्वितीय और रिया आर्य तृतीय रहीं। 800 मीटर रेस में साक्षी आर्य ने पहला स्थान प्राप्त किया, प्रियांशी आर्य द्वितीय और नेहा तृतीय रहीं। गोला फेंक में प्राची आर्या प्रथम, तानिया कौर द्वितीय और निहारिका आर्य तृतीय रहीं। डिस्कस थ्रो में प्राची आर्या प्रथम और तनिका कौर द्वितीय रहीं।अंडर-15 बालकों में 100 मीटर रेस में वैभव प्रथम, अजय कुमार द्वितीय और सूरज कुमार तृतीय रहे। 200 मीटर रेस में वैभव प्रथम, गौरव सिंह द्वितीय और प्रियांशु आर्य तृतीय रहे। 400 मीटर रेस में सूरज आर्य प्रथम, प्रिंस टम्टा द्वितीय और वैभव तृतीय रहे। 800 मीटर रेस में प्रिंस टम्टा ने पहला स्थान प्राप्त किया, सूरज आर्य द्वितीय और अजय तृतीय रहे। 1500 मीटर रेस में अभय सिंह प्रथम, बबलू कुमार द्वितीय और दीपक कुमार तृतीय रहे। गोला फेंक में प्रिंस टम्टा ने पहला स्थान प्राप्त किया, मयंक आर्य द्वितीय और गौरव सिंह तृतीय रहे।अंडर-15 बालिकाओं में 100 मीटर रेस में निशा प्रथम, प्रियंका द्वितीय और अवतिका कुमारी तृतीय रहीं। 200 मीटर रेस में निशा ने पहला स्थान प्राप्त किया, अवतिका द्वितीय और दिवयाका तृतीय रहीं। 400 मीटर रेस में हर्षिता प्रथम, हिमांशी द्वितीय और आरुषि तृतीय रहीं। 800 मीटर रेस में रेनू आर्य ने पहला स्थान प्राप्त किया, आस्था टम्टा द्वितीय और प्रियंका टमटा तृतीय रहीं। 1500 मीटर रेस में नीलम कोहली प्रथम, रेनू आर्य द्वितीय और आरुषि तृतीय रहीं। गोला फेंक में पायल टम्टा ने पहला स्थान प्राप्त किया, आस्था टम्टा द्वितीय रहीं। निर्णायक मंडल में आनंद देव, महेश बिष्ट, गोपाल नेगी, महेश फतर्याल और काव्या ठाकुर शामिल थे। इस अवसर पर उपक्रीड़ा अधिकारी वरुण बेलवाल, प्रशिक्षक किशोर पाल, त्रिलोक जीना, श्याम भट्ट, उमेश रावत, पूनम मेहता, शशि देवी, कैलाश जोशी और तनुज पांडे सहित कई खेल प्रेमी और खिलाड़ी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता ने युवा प्रतिभाओं को क्षमता दिखाने का अवसर प्रदान किया और एथलेटिक्स के प्रति उत्साह बढ़ाया।

पंतनगर विवि के विद्यार्थियों को मिला युवा वैज्ञानिक पुरस्कार

पंतनगर। उत्तराखंड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की ओर से आयोजित 20वां उत्तराखंड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन देहरादून में संपन्न हुआ। सम्मेलन में विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट शोध प्रस्तुत कर युवा वैज्ञानिक पुरस्कार हासिल किया, जिससे महाविद्यालय और विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित हुआ।गणित, सांख्यिकी एवं कंप्यूटर विज्ञान विषय में दिव्यांशु, रासायनिक विज्ञान में आशीष कुमार सागर और स्तुति आर्या, जबकि जैव प्रौद्योगिकी, जैव रसायन एवं सूक्ष्मजीव विज्ञान के क्षेत्र में दिव्या पंत को प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया।इस अवसर पर विश्व विद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मनमोहन सिंह चौहान ने सभी पुरस्कृत विद्यार्थियों को उनके शोध सलाहकारों, विभाग अध्यक्षों और विज्ञान एवं मानविकी महा विद्यालय के अधिष्ठाता की उपस्थिति में शुभाशीष प्रदान किया। उन्होंने शोधार्थियों को भविष्य में और अधिक गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य करने के लिए प्रेरित किया तथा अपेक्षा जताई कि वे अपने शोध निष्कर्षों को उच्च स्तरीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित करें।कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि न केवल उनकी शोध क्षमता और समर्पण को दर्शाती है, बल्कि महा विद्यालय और विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट शैक्षणिक एवं अनुसंधान स्तर को भी उजागर करती है।कार्यक्रम में गणित, सांख्यिकी एवं कंप्यूटर विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एस.बी. सिंह, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष लक्ष्मी तिवारी, रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष विवेकानंद, रसायन विज्ञान विभाग के प्राध्यापक ओम प्रकाश तथा विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता आर.सी. श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

सूचना नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम नागेन्द्र यादव (Nagender Yadav) से बदला कर नागेन्द्र कुमार यादव (Nagender Kumar Yadav) कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए।

नागेन्द्र कुमार यादव पुत्र भगवान यादव
वकील फार्म, किच्छा,उधम सिंह नगर

अग्नि सुरक्षा को लेकर फायर सेफ्टी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

अब हर मंगलवार सिडकुल व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के कार्मिकों को मिलेगा फायर सेफ्टी प्रशिक्षण

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा की पहल पर जनपद ऊधमसिंहनगर में औद्योगिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा जन-सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नियमित फायर सेफ्टी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस पहल के तहत अब प्रत्येक मंगलवार को पुलिस लाइन रुद्रपुर में सिडकुल क्षेत्र की फैक्ट्रियों, होटल, रेस्टोरेंट, बैंक्वेट हॉल और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत कार्मिकों को अग्नि सुरक्षा का प्रशिक्षण दिया जाएगा। एसएसपी मणिकांत मिश्रा द्वारा शुरू की गई इस व्यवस्था का उद्देश्य कार्यस्थलों पर आगजनी की घटनाओं को रोकना, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और सुरक्षित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना तथा कार्मिकों को व्यवहारिक रूप से अग्नि सुरक्षा के प्रति दक्ष बनाना है। इसी क्रम में मंगलवार को पुलिस लाइन रुद्रपुर स्थित परेड ग्राउंड में विशेष फायर सेफ्टी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सिडकुल क्षेत्र की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के साथ होटल, रेस्टोरेंट, बैंक्वेट हॉल और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से आए कार्मिकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का संचालन मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देशन में अग्निशमन विभाग की प्रशिक्षित टीम द्वारा किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों को आग लगने के कारण,आग के विभिन्न प्रकार और प्रारंभिक स्तर पर आग पर नियंत्रण के उपायों की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में जल, कार्बन डाइऑक्साइड, फोम और ड्राई केमिकल पाउडर आधारित अग्निशामक यंत्रों का जीवंत प्रदर्शन किया गया। साथ ही पुल-एम-स्क्वीज-स्वीप तकनीक के माध्यम से अग्निशामक यंत्रों के सही उपयोग का अभ्यास भी कराया गया। कार्यक्रम में आग लगने की स्थिति में सुरक्षित निकासी, आपातकालीन निकास मार्गों का प्रयोग, भीड़ प्रबंधन, घायलों को प्राथमिक उपचार तथा कार्यस्थल पर आपसी समन्वय बनाए रखते हुए स्थिति को नियंत्रित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 74 कार्मिकों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद सभी प्रतिभागियों को फायर सेफ्टी प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, ताकि वे अपने-अपने कार्यस्थलों पर अग्नि सुरक्षा को लेकर जिम्मेदार भूमिका निभा सकें। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने निर्देश दिए कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित, व्यवहारिक और परिणामोन्मुख ढंग से आयोजित किए जाएं, जिससे जनपद के औद्योगिक और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा मानकों को और अधिक मजबूत किया जा सके। पुलिस लाइन रुद्रपुर में आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जनपद में अग्नि सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने और संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

डिवाइडर से टकराकर बाइक सवार युवक की मौत

गदरपुर(उद संवाददाता)। मजदूरी कर घर लौट रहे बाइक सवार युवक हाईवे की डिवाइडर से टकराकर मौत हो गई। गदरपुर सरिया का काम कर घर लौट रहे खानपुर निवासी संजय विश्वास पुत्र अशोक विश्वास(25) वर्षीय गांव पिपलिया लिंक मार्ग बाइक से महतोष मोड़ हाईवे मे चढ़ते समय डिवाइडर से टकरा गया। जिससे वहां गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने 108 सेवा द्वारा जिला अस्पताल उपचार के लिए पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उपचार के दौरान मृत घोषित कर दिया। खानपुर ग्राम सभा ग्राम प्रधान सुमंगल विश्वास ने मौत की जानकारी दी गई। मृतक गदरपुर में किसी दुकान में सरिया का काम करता था। सूचना पर परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। इस मामले में गदरपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक संजय पाठक में बताया सड़क क्रॉस कर रहा था और डिवाइडर से टकरा गया जिससे सिर में चोट लगने से युवक की मौत हुई है।

पुलिस ने पैरोल पर रिहा बंदी को किया गिरफ्तार

रुद्रपुर। एसएसपी द्वारा अपराध और अपराधियो के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देशानुसार ट्रांजिट कैम्प कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मोहन चन्द्र पाण्डे के नेतृत्व मे पुलिस टीम द्वारा कोविड के समय पर पैरोल पर रिहा किये गये बन्दी को गिरफ्तार किया गया । यह जानकारी देते हुए कोतवाल श्री पाण्डे ने बताया कि वर्ष 2019 में दर्ज मुकदमे के दोषसिद्ध बन्दी योगराज सिंह पुत्र ओमप्रकाश निवासी हरकिशनपुर, थाना रेहड़ जिला बिजनौर को न्यायालय द्वारा पैरोल पर रिहा किया गया था। जिसको नादेही चौराहे के पास कोतवाली जसपुर से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियकुत को न्यायालय पेश किया गया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक मनोज जलाल व कॉस्टेबल नन्दन राम शामिल थे।

मालिकाना हक दिलाने के लिए धरना प्रदर्शन

बिंदुखत्ता(उद संवाददाता)। वन भूमि पर बसे लोगों को मालिकाना हक देने और बुलडोजर कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को कार रोड बिंदुखत्ता चौराहे पर भाकपा माले की ओर से धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में बिंदुखत्ता सहित ऋषिकेश, रामनगर और प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में की जा रही कार्रवाई के खिलाफ नाराजगी जताई गई और इसे गरीब विरोधी कदम बताया गया।धरने को संबोधित करते हुए भाकपा माले की राज्य कमेटी सदस्य केके बोरा ने कहा कि भाजपा सरकार झुग्गी वहीं मकान का नारा देकर सत्ता में आई थी, लेकिन आज पूरे देश में गरीबों के सिर से छत छीनी जा रही है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में बिंदुखत्ता सहित कई क्षेत्रों की जमीनों पर सरकार की नजर है। हाल ही में रामनगर के पूछड़ी क्षेत्र में पूरे गांव को ध्वस्त कर दिया गया और लोगों को वहां तिरपाल तक डालने की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार गरीबों को उजाड़कर

जमीनें बड़े कॉरपोरेट घरानों को सौंपना चाहती है।केके बोरा ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा उत्तराखंड में वन भूमि पर बसे लोगों को हटाने संबंधी आदेश पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह फैसला दुखद और शर्मनाक है। उन्होंने मांग की कि कोर्ट को अपने निर्णय पर पुनर्विचार करना चाहिए और गरीबों को उनकी जमीन पर मालिकाना अधिकार देने की दिशा में निर्णय लेने चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता अपने अधिकारों की रक्षा के लिए व्यापक जन आंदोलन का रास्ता अपनाएगी।सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले नेता किशन बघरी ने कहा कि सरकार पहले से ही बुलडोजर के जरिए गरीबों को उजाड़ रही थी और अब अदालत के फैसले के बाद स्थिति और जटिल हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऋषिकेश में खाली भूमि के नाम पर खेत-खलिहानों में सरकारी बोर्ड लगाकर लोगों को बेदखल किया जा रहा है। रामनगर में वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत प्रक्रिया चल रही थी, इसके बावजूद बुलडोजर चलाया गया, जिससे सरकार की कथनी और करनी में अंतर साफ दिखाई देता है।वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार जनता को विभिन्न वर्गों में बांटकर उनकी जमीनें छीनना चाहती है और महिला हिंसा, बलात्कार, हत्या तथा गरीबों को बेघर करने के मामलों में विफल साबित हुई है। उन्होंने अंकिता भंडारी हत्याकांड के दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग भी उठाई।धरने में बिंदुखत्ता को राजस्व गांव बनाए जाने, वन भूमि पर बसे लोगों को मालिकाना हक दिए जाने और बुलडोजर कार्रवाई बंद करने की मांग की गई। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।कार्यक्रम में भाकपा माले की राज्य कमेटी सदस्य विमला रौथाण, एरिया सचिव पुष्कर दुबड़िया, किशन बघरी, धीरज कुमार, कमल जोशी, निर्मला शाही, त्रिलोक दानू, आनंद दानू, त्रिलोक राम, वीर भद्र भंडारी, अजय पाल, गोपाल गड़िया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत दिया प्रशिक्षण

गदरपुर। एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, गदरपुर में समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों पर आने वाले बच्चों को एनीमिया से बचाव हेतु आयरन की सही खुराक एवं समयबद्ध वितरण सुनिश्चित करना रहा।कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अंजनी कुमार

सहित डॉ. प्रशांत चौहान, डॉ. विकास सचान एवं राधा मिगलानी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को एनीमिया के कारण, लक्षण, रोकथाम, पोषण संबंधी सावधानियों तथा आयरन सप्लीमेंट के उचित उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही बच्चों, किशोरियों और गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की पहचान एवं संदर्भन (रेफरल) प्रक्रिया पर भी मार्गदर्शन किया गया।प्रशिक्षण में उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे वे अपने-अपने केंद्रों पर बच्चों एवं महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर सकेंगी।

मुख्यमंत्री चैंपियनशिप में बालिकाओं ने दिखाई खेल प्रतिभा

नानकमत्ता। मुख्यमंत्री चौंपियनशिप ट्रॉफी 2025-26 के तहत खेल महाकुंभ का दूसरे दिन का आयोजन नानकमत्ता में बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। बालिका वर्ग की प्रतियोगिताओं का शुभारंभ श्री गुरु नानक एकेडमी के मैदान में पूर्व विधायक नानकमत्ता डॉ प्रेम सिंह राणा ने किया। न्याय पंचायत स्तर पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली बालिकाओं ने अंडर-14 वर्ग में 60 मीटर और 600 मीटर दौड़, कबड्डी, खो-खो, मुर्गा झपट, ऊंची कूद, लंबी कूद, गोला फेंक, पिट्ठू गेम और वॉलीबॉल जैसी प्रतियोगिताओं में भाग लिया। वहीं अंडर-19 वर्ग में 100 मीटर, 200 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, 5000 मीटर, 4 ञ 100 मीटर लंबी रिले दौड़, कबड्डी, खो-खो, मुर्गा झपट, पिट्ठू गेम और वॉलीबॉल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक नेता खिलानंद अटवाल ने किया। खेल के

संयोजक विद्यासागर वर्मा और वरिष्ठ प्रधानाध्यापिका ज्योति मेहरा, राजकीय आदर्श उच्च प्राथमिक विद्यालय एजनिया तथा मुकेश गौड़, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी सितारगंज ने माननीय पूर्व विधायक और उपस्थित सभी अतिथियों एवं शिक्षकों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। सीआरसी समन्वयक मोहम्मद हसन सिद्दीकी, बीना नगदली और जसौद मेहता, प्रधानाध्यापक राजकीय प्राथमिक विद्यालय सुनखरी ने बच्चों को खेल महाकुंभ में आयोजित प्रतियोगिताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी और उन्हें खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिताओं को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में व्यायाम शिक्षक लीला रौतेला, नीलम रानी, विरेश चौहान, निर्मल सिंह, अजय सिंह क्यूरा, दलेर सिंह, फकीर सिंह, उमेश चंद्र ओली, निमाई चंद्र माझी, पुष्पेंद्र कटियार,पाकेश चौहान, रंजू राणा, महेश आर्या, संजय टम्टा, कुंवर सिंह राणा, पवन कुमार, मोहित कुमार आदि थे।

भागवत कथा में भावपूर्ण प्रसंगों को सुन श्रद्धालु मंत्रमुग्ध

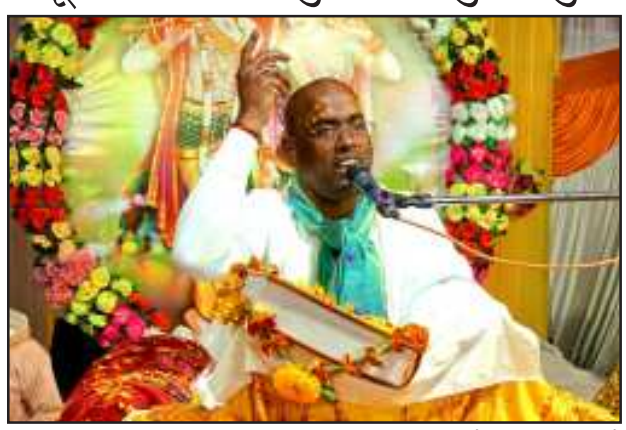

शक्तिफार्म। गुरुग्राम-देवनगर सीमा स्थित बालाजी मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन पूरे शक्तिफार्म क्षेत्र में भक्ति और आध्यात्म का वातावरण छा गया। कथा व्यास रामचन्द्र महाराज ने प्रभु राम, हनुमान और सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र के चरित्रों का भावपूर्ण वर्णन किया, जिसे सुनकर कथा पंडाल में मौजूद श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।कथा के दौरान रामचन्द्र महाराज ने अपने प्रवचनों में सनातन धर्म को विश्व में शांति, सद्भाव और मानव कल्याण का मार्ग बताया। उन्होंने कहा कि धर्म, कर्म और सत्य के पथ पर चलकर ही मानव जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। उनके ओजस्वी वचनों से प्रेरित होकर श्रद्धालु भक्ति में लीन हो गए और संकीर्तन तथा नृत्य के माध्यम से प्रभु

भक्ति में रमते नजर आए। कथा स्थल "हरि नाम" के संगीतमय उद्घोष से गूंज उठा। सुर संगम के विप्लव और उनकी मंडली द्वारा प्रस्तुत संगीतमय भजनों ने कथा पंडाल के वातावरण को और अधिक भक्तिमय बना दिया।इस अवसर पर आयोजन समिति के पदाधिकारी, सदस्यगण और क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। श्रीमद भागवत कथा ने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया और श्रद्धालुओं के मन में भक्ति की गहरी छाप छोड़ी।

आध्यात्मिक प्रेरणा और सेवा भाव की सीख के साथ नव वर्ष का स्वागत

किच्छा (उद संवाददता)।वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव कुमार सिंह ने नगर स्थित आध्यात्मिक संस्था ब्रह्मकुमारीज संस्थान का दौरा कर वहां की बहनों के साथ नूतन वर्ष के शुभ आगमन पर उन्हें बधाई दी। इस दौरान उन्होंने प्रसाद ग्रहण किया और संस्था के उद्देश्यों की सराहना की।संजीव कुमार सिंह ने कहा कि ब्रह्मकुमारीज

संस्थान सम्पूर्ण विश्व में बुराइयों से मानव की रक्षा, आत्मिक जागृति, आध्यात्मिक उन्नति और राष्ट्र सेवा के भाव, साथ ही विश्व शांति और सेवा भाव की प्रेरणादायक शिक्षा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि संस्था हमें समर्पण भाव से जीवन जीने का मार्ग भी दिखाती है।इस अवसर पर संजीव कुमार सिंह ने सभी को नूतन वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नवीन वर्ष सभी के जीवन में शांति, पवित्रता, प्रेम और आत्मिक शक्ति का संचार करे। नववर्ष के शुभ आगमन पर ब्रह्मकुमारीज संस्थान में उपस्थित सभी आगंतुकों ने प्रसाद ग्रहण किया और एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान बरेली से आयीं ब्रह्मकुमारी सुखदेवी दीदी, ब्रह्मकुमारी पार्वती दीदी, ब्रह्मकुमारी ऊषा दीदी, ब्रह्मकुमारी मिथलेश दीदी, ब्रह्मकुमारी प्रियंका दीदी के साथ विशाल चौहान, राजकुमार, अमित, ब्रह्मानंद पुरोहित, कमलेश दुबे, मनोज गुप्ता, नवीन सिंह, संजय कुमार सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

भानु प्रताप स्कूल में एआई आधारित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

रूद्रपुर। भानु प्रताप पब्लिक स्कूल, शारदा नगर, डिबडिबा, रामपुर में ब्लैम्-सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, देहरादून के तत्वावधान में 'कक्षाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग' विषय पर एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक डिजिटल दक्षताओं और एनईपी 2020 के अनुरूप शिक्षण तकनीकों से सशक्त बनाना था। सत्र का संचालन अभिनव चौधरी और

विकास घवरी ने किया, जिन्होंने एआई उपकरणों के व्यावहारिक उपयोग, पाठ योजना, मूल्यांकन और कक्षा प्रबंधन में उनके लाभ समझाए। प्रशिक्षण में शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से सीखने की नई तकनीकों से परिचित हुए। प्रिंसिपल महेश चंद्र ने स्वागत करते हुए एआई अपनाने के महत्व पर जोर दिया और शिक्षकों के समर्पण की सराहना की। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सही उपयोग शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ा सकता है और शिक्षकों को कक्षा में और प्रभावी बनाने में मदद करता है।

नगर पालिका और तहसील प्रशासन ने अतिक्रमण पर दिखाई सख्ती

गदरपुर। वार्ड 10 थाने के सामने गली मदान फोटो स्टेट वाली गली में नगर पालिका और तहसील प्रशासन ने संयुक्त अभियान चलाकर नाली के ऊपर किए गएअवैध अतिक्रमण को हटवाया। इस दौरान दुकानदारों को अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए और चेतावनी दी गई कि यदि दोबारा अतिक्रमण पाया गया तो चालानी कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी कैलाश सिंह पटवाल ने बताया कि अतिक्रमण हटाओ अभियान आगे भी जारी रहेगा और किसी भी कीमत पर नालियों और सड़कों पर अतिक्रमण नहीं

होने दिया जाएगा। उन्होंने दुकानदारों से अपील की है कि वे स्वयं अतिक्रमण हटाकर प्रशासन का सहयोग करें। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी कैलाश सिंह पटवाल ने बताया कि यदि किसी ने अतिक्रमण करने की कोशिश की तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि अतिक्रमण के कारण नालियां बंद हो जाती हैं और सड़कों पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, साथ ही छोटे-बड़े वाहनों की आवाजाही भी बाधित होती है जिससे आम जनता को परेशानी होती है। नगर पालिका और तहसील प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि अतिक्रमण हटाओ अभियान आगे भी जारी रहेगा। प्रशासन का कहना है कि शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए यह अभियान निरंतर चलाया जाएगा। उन्होंने आम जनता से सहयोग की अपील की है।

पेज एक का शेष...

गैराज में लगी भीषण.....तत्काल घटनास्थल पर पहुंची।लकड़ी और टीन से बने खाली गैराज में आग लगी हुई थी। गैराज के बाहर खड़ी तीन मोटरसाइकिल और तीन स्कूटी भी आग की चपेट में आकर राख हो गई। लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद अग्निशमन बलों ने सुबह पांच बजे आग पर नियंत्रण पाया। आग में जले अधिकांश वाहन बीमा रहित थे, जिससे आर्थिक नुकसान काफी बड़ा हुआ।इस बीच विद्युत व्यवस्था भी प्रभावित हुई। आग के दौरान बिजली की लाइन जल गई, जिससे रोपवे केबल कार स्टेशन और आसपास के क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित हुई। आग के कारणों पर चर्चा हुई कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी हो सकती है, लेकिन विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी पर्यंक पांडे ने इस संभावना को खारिज किया। उन्होंने कहा कि रात्रि में बिजली की लाइन पर अधिक लोड नहीं रहता और इससे वाहनों के जलने की संभावना नहीं होती।अग्निशमन विभाग ने भी आग लगने के कारणों की जांच करने की बात कही है।

अपराधी पकड़े जाने पर.....क्षेत्र की सभी मुख्य सड़कों का निर्माण कराया गया है। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग के लिए उनके द्वारा हर दुख-सुख में पहुंचने का प्रयास किया गया है। विधायक अरविंद पांडे ने बताया कि गदरपुर बाईपास, गदरपुर अनाज मंडी, श्री सनातन धर्म मंदिर में विशाल हॉल, गदरपुर डिग्री कॉलेज की अक्षय पात्र योजना, पुराने कन्या स्कूल में हॉस्टल और नया हॉस्टल का निर्माण कराया गया है। इसके अलावा नवनिर्मित बस स्टेशन, गदरपुर मटकोटा मार्ग और सकैनिया में स्टेडियम व कबड्डी हॉस्टल का निर्माण कराया गया है। उन्होंने कहा कि बुक्सा जनजाति के प्रेरणा स्रोत राजा जगतदेव जी डल बाबा मंदिर में मूर्ति स्थापना और पिछले 6 वर्षों से वहां मेला का आयोजन किया जाना जन सहयोग से उनकी उपलब्धि है। सुरजीत सिंह,राकेश भुड्डी, शिवा तिवारी, विजय कश्यप, चंकित कुमार, शुभम पांडे,विपिन गुप्ता, रवि पाल आदि थे ।

स्व. उर्मिला चुघ ....तो उसे वाहन के डीजल और चालक का निर्धारित शुल्क लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट द्वारा वर्ष में गरीब परिवार की सात कन्याओं का विवाह कराया जायेगा साथ ही सात बच्चों की पढ़ाई की जिम्मेवारी ली जायेगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी केके अग्रवाल ने नि:शुल्क एम्बुलेंस सेवा प्रारम्भ करने पर सेवा क्रांति वेलफेयर ट्रस्ट की सराहना करते हुए इसे अनुकरणीय बताया। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट द्वारा यदि नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाये जायेंगे तो स्वास्थ्य विभाग पूरा सहयोग करेगा। एसपी निहारिका तोमर ने जनहित के इस कार्य को प्रारम्भ करने के लिए ट्रस्ट की सराहना की। इस मौके पर सेवा क्रांति वेलफेयर ट्रस्ट के संरक्षक रामवीर सिंह, कोषाध्यक्ष अलका अरोरा, चुन्नीलाल चुघ, सिद्धार्थ चुघ, तरूण चुघ, मनीष चुघ, नरेश चौहान, सुशील चौहान, जितेन्द्र शर्मा, दिलजीत सिंह, जगजीत सिंह गोल्डी, राजन सिंह, बलराम सिंह, ओमप्रकाश सलूजा, अमित शर्मा, रामअवतार, मोहन सैनी, चन्द्रप्रकाश, दीपक पाण्डे, ममता पाण्डे, अनिल चौहान, जेएन तिवारी आदि थे।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाध्किारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रूद्रपुर,ऊधमसिंहनगर ;उत्तराखण्डद्धसे मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
पफोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

कानून व्यवस्था से खिलवाड़ नहीं होगा बर्दाश्त: धामी

सीएम ने दिये नववर्ष पर कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नववर्ष 2026 के अवसर पर प्रदेश में कानून-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और पर्यटकों की सुविधा को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि 30 दिसंबर 2025 से 5 जनवरी 2026 तक प्रदेश में यातायात प्रबंधन और कानून-व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा किसी भी स्थिति में पर्यटकों और आगंतुकों को असुविधा न होने पाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि राज्य में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले तत्वों पर कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में आपराधिक गतिविधियों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रमुख पर्यटक स्थलों, अधिक आवागमन वाले और भीड़भाड़ के क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। पुलिस द्वारा नियमित रात्रिकालीन गश्त सुनिश्चित की जाए और उच्च अधिकारी स्वयं विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की निगरानी करें। बैठक में मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि नववर्ष के दौरान सभी जनपदों में यातायात प्रबंधन के साथ पार्किंग, मूलभूत सुविधाओं और सड़क सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की जाए। वाहनों के अनियंत्रित संचालन और शराब पीकर वाहन चलाने पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही शराब के ठेकों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने को कहा गया।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि चेकिंग के दौरान आमजन और पर्यटकों को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। मुख्यमंत्री ने देहरादून में सड़कों पर अतिक्रमण की समस्या पर कड़ा रुख अपनाते हुए निर्देश दिए कि जिला प्रशासन, नगर निगम, पुलिस, परिवहन विभाग और एमडीडीए संयुक्त रूप से टास्क फोर्स बनाकर निरंतर कार्रवाई करें। अन्य जनपदों में भी जहां सड़क अतिक्रमण की समस्या है, वहां नियमित रूप से अभियान चलाया जाए। उन्होंने भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में स्थित होटल और रिसॉर्ट्स में फायर सेफ्टी और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जांच करने के निर्देश भी दिए। किसी भी आपात स्थिति में पुलिस को पांच मिनट के भीतर मौके पर पहुंचना सुनिश्चित करने को कहा गया। मुख्यमंत्री ने शीतकालीन यात्रा के दृष्टिगत सभी व्यवस्थाएं सुचारू रखने के निर्देश दिए। पर्यटकों की सुविधा के लिए सूचना केंद्रों की समुचित व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट की पर्याप्त रोशनी और ठंड के मौसम को देखते हुए अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके साथ ही प्रदेश में स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने और प्लास्टिक मुक्ति अभियान को प्रभावी रूप से चलाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि इस अभियान में सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक संगठनों के साथ-साथ आम नागरिकों का भी सहयोग लिया जाए। बैठक में अवस्थापना अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष विश्वास डाबर, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, डीजीपी दीपम सेठ, प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली, पंकज कुमार पाण्डेय, गढ़वाल आयुक्त और सचिव विनय शंकर पाण्डेय, सचिव धीराज गर्ब्याल, अपर पुलिस महानिदेशक वी. मुरुगेशन, आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप, जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल सहित शासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। वर्चुअल माध्यम से आईजी कुमाऊं रिद्धिम अग्रवाल, सभी जिलाधिकारी,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और पुलिसअधीक्षक भीबैठक में शामिल हुए।

झोपड़ी में आग लगने से बुजुर्ग की मौत

रुद्रपुर। मंगलवार की सायं ट्रांजिट कैंप कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत आनंद विहार बस्ती में ठंड से बचने को जलाई गई आग के झोपड़ी में फैल जाने से उसमें मौजूद एक 83 वर्षीय बुजुर्ग की आग से झुलस कर मौत हो गई। घटना के समय उसकी पत्नी के झोपड़ी के बाहर होने से उसकी जान बच गई। जानकारी के अनुसार गंगापुर मार्ग में जेपीएस स्कूल के पास वार्ड एक आनंद विहार में रहने वाले 83 वर्षीय रामचंद्र अपनी पत्नी चमेला के साथ पिछले छह-सात वर्षों से झोपड़ी में रह रहे थे। दंपति आसपास के लोगों से मिलने वाली सहायता और दान पर निर्भर होकर जीवन यापन कर रहे थे। मंगलवार शाम ठंड से बचाव के लिए झोपड़ी में आग जलाई गई थी, जो अचानक कपड़ों और बिस्तर तक फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही ट्रांजिट कैंप कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची।

थाना प्रभारी मोहन चंद्र पांडे ने बताया कि आग तेजी से फैल चुकी थी और एक बुजुर्ग व्यक्ति झोपड़ी के अंदर फंसा हुआ था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल फायर सर्विस को सूचना दी गई। रुद्रपुर फायर सर्विस की टीम ने मौके पर पहुंचकर फायर टेंडर की सहायता से आग पर काबू पाया।आग बुझाने के बाद झोपड़ी में फंसे बुजुर्ग को बाहर निकाला गया, लेकिन अत्यधिक झुलसने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान 83 वर्षीय रामचंद्र निवासी रामनगर पट्टी, जिला बनारस (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, रामचंद्र चलने-फिरने में असमर्थ थे, जिस कारण वे समय रहते झोपड़ी से बाहर नहीं निकल सके। घटना के समय उनकी पत्नी झोपड़ी के बाहर थीं और आग बुझाने में असहाय रहीं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

खनन सुधारों में उत्तराखंड का उत्कृष्ट प्रदर्शन

देश में दूसरा स्थान, केंद्र से 200 करोड़ की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार ने खनन सुधारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए केंद्र सरकार ने उत्तराखंड को 200 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की है, जिसे खनन क्षेत्र में सुधारों को और मजबूत करने के लिए उपयोग किया जाएगा।राज्य सरकार द्वारा खनन क्षेत्र में व्यापक सुधार किए गए हैं। इनमें ई-नीलामी व्यवस्था लागू करना, उपग्रह आधारित निगरानी, सख्त अनुपालन प्रणाली, अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण और आधुनिक खनन निगरानी तंत्र को सुदृढ़ करना शामिल है। इसके साथ ही खनन लॉट के आवंटन की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाया गया है। इन सुधारों का सकारात्मक असर यह रहा कि खनन क्षेत्र प्रदेश सरकार की आय का एक प्रमुख स्रोत बनकर उभरा है। राज्य का खनन राजस्व लगभग 300 करोड़ रुपये से बढ़कर 1200 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।खनन सुधारों में बेहतरीन प्रदर्शन के चलते भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पूंजी निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता योजना के अंतर्गत उत्तराखंड को 200 करोड़ रुपये की विशेष सहायता ऋण के रूप में स्वीकृत की है। यह राशि लघु खनिज सुधारों और राज्य खनन तत्परता सूचकांक से जुड़े सुधार कार्यों को पूरा करने के लिए प्रदान की गई है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खनन सुधारों के लिए विशेष प्रोत्साहन राशि स्वीकृत किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह सहयोग उत्तराखंड के खनन क्षेत्र में पारदर्शिता, तकनीकी उन्नयन और सतत विकास को नई गति देगा। राज्य सरकार इस धनराशि का उपयोग खनन व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और रोजगारोन्मुखी बनाने में करेगी, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए नए अवसर भी सृजित होंगे।

उधम सिंह नगर की 3.6 हेक्टेयर भूमि के पट्टे निरस्त

भूमि को राज्य सरकार में निहित करने के आदेश

नैनीताल। जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल ने उधम सिंह नगर के ग्राम रुद्रपुर की कुल 3.6 हेक्टेयर भूमि के पट्टे निरस्त कर इसे राज्य सरकार में निहित करने के आदेश दिए हैं। यह आदेश वाद संख्या 51/4, 51/5 एवं 51/6, वर्ष 2018-19 में पारित न्यायिक प्रक्रियाओं के आधार पर जारी किए गए। जिलाधिकारी न्यायालय नैनीताल द्वारा ग्राम रुद्रपुर, तहसील रुद्रपुर के खसरा नंबर 66, 69 और 70 की भूमि पर दिए गए पट्टों तथा वर्ष 2015 में पट्टों के नियमितीकरण के पश्चात दिए गए भूमिधरी अधिकार को निरस्त किया गया। यह भूमि श्री स्वर्ण सिंह, दर्शन सिंह और हरकेवल/हरपाल सिंह द्वारा पहले कलेक्टर, उधम सिंह नगर के समक्ष प्रस्तुत किए गए वादों के अंतर्गत न्यायालय में लंबित थी। जिला मजिस्ट्रेट नैनीताल के आदेश में यह पाया गया कि विवादित भूमि मूलत नजूल भूमि है, जिसे श्रेणी वर्ग-4 में दर्ज करने के संबंध में अपर जिलाधिकारी उधम सिंह नगर के आदेश को पहले ही राजस्व परिषद, देहरादून द्वारा निरस्त किया जा चुका है। इसलिए भूमि नियमितीकरण के शासनादेशों का लाभ इस भूमि पर लागू नहीं किया जा सकता और पूर्व में किए गए भूमिधरी अधिकार मान्य नहीं हैं। जिलाधिकारी नैनीताल ने तहसीलदार रुद्रपुर को आदेशों के अनुपालन के लिए निर्देशित किया है, ताकि भूमि राज्य सरकार में निहित की जा सके।

जाति प्रमाण पत्र को लेकर ग्राम प्रधान की उम्मीदवारी पर उठे सवाल

मंडलायुक्त ने शिकायतकर्ता से शपथपत्र तलब कर वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। मंडलायुक्त दीपक रावत ने हल्द्वानी स्थित कैंप कार्यालय में सरोवरनगर, पोस्ट केलाखेड़ा निवासी दानिश पुत्र जमील अहमद के जाति प्रमाण पत्र से जुड़े मामले की सुनवाई की। यह सुनवाई 20 दिसंबर 2025 को प्रस्तुत शिकायत के आधार पर की गई।शिकायतकर्ता इबरान अली पुत्र हनीफ, निवासी सरोवरनगर पोस्ट केलाखेड़ा, तहसील गदरपुर, जिला ऊधमसिंहनगर ने आरोप लगाया है कि दानिश ने कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर ओबीसी जाति प्रमाण पत्र प्राप्त किया और वर्ष 2025 के निर्वाचन में ग्राम प्रधान पद के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा, जिसमें वह विजयी भी रहा। शिकायत

में कहा गया कि दानिश सामान्य वर्ग से संबंधित है और उसका ओबीसी प्रमाण पत्र नामांकन से पूर्व ही निरस्त किया जा चुका था।शिकायतकर्ता के अनुसार इस तथ्य की जानकारी तत्कालीन रिटर्निंग अधिकारी को भी दी गई थी, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बावजूद दानिश वर्तमान में ग्राम प्रधान पद पर बना हुआ है और उसके द्वारा निरस्त प्रमाण पत्र को बहाल कराने के लिए भी कोई प्रक्रिया नहीं अपनाई गई है।मामले की सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता, विपक्षी पक्ष, तहसीलदार गदरपुर और जिला पंचायतराज अधिकारी ऊधमसिंहनगर मंडलायुक्त के समक्ष उपस्थित हुए। मंडलायुक्त ने शिकायतकर्ता को निर्देश दिए कि वह इस संबंध में शपथपत्र प्रस्तुत करें कि संबंधित ओबीसी प्रमाण पत्र निरस्त किया जा चुका है। साथ ही जिला पंचायतराज अधिकारी को निर्देशित किया गया कि शपथपत्र प्राप्त होने के बाद नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।सुनवाई के दौरान जिला पंचायतराज अधिकारी विद्या सिंह सोमनाल, तहसीलदार लीना चंद्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।